>

Title: Regarding reported conflict between students and teachers in Allahabad Central University of Uttar Pradesh.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): अध्यक्ष महोदया जी, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय जो उत्तर प्रदेश में हैं और जिसे कभी मिनि-ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भी कहा जाता था, इस इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने 5-6 प्रधान मंत्री भी इस देश को दिये हैं। इतना ही नहीं बल्कि यह आईएएस, आईपीएस, वैज्ञानिक और तमाम राजनेताओं को जन्म देने वाला विश्वविद्यालय है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा इलाहाबाद यूनिवर्सिटी को दिया गया है लेकिन मैं बड़े दुख के साथ इस सदन को और सरकार को आपके माध्यम से अवगत कराना चाहूंगा कि आज वहां का वातावरण बहुत प्रदूषित हो गया है और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों में जन-आक्रोश है। वहां पर जो एक शैक्षणिक वातावरण होना चाहिए, वह पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। अभी कुछ दिन पहले छात्रावास को खाली कराने के लिए पुलिस के बल पर कोशिश की गयी जबकि वहां के छात्र आईएएस, पीसीएस, स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की परीक्षाओं को देने की तैयारी कर रहे थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, वहां पर बराबर धरने-प्रदर्शन भी चले हैं कि छात्रसंघ के चुनाव लिंगदोह कमेटी की सिफारिश के अनुसार होने चाहिए, लेकिन आज विश्वविद्यालय प्रशासन वहां पर बिल्कुल मौन है। वहां 500 प्रोफेसर्स और लेक्चरर की जगह रिक्त हैं। शिक्षकों की तरफ से बराबर यह मांग उठी है कि इन रिक्तियों को भरा जाए, लेकिन दूसरी तरफ संविधान के नाम पर लेक्चरर और प्रोफेसर्स जो शैडयूल्ड कास्ट और शैडयूल्ड ट्राइब्ज के वहां कार्यरत हैं, उनके साथ भी बड़ी अनदेखी की गयी है। इधर कुछ रिक्तियां भरने की कोशिश की गयी, लेकिन जो एससीएसटी के रिजर्व पद हैं उन्हें अपर कास्ट के थ्रू भरने की कोशिश की गयी। इससे भी वहां का शिक्षक आंदोलन करने के लिए विवश है। पिछले सेशन में मैंने इस मुद्दे को उठाया था लेकिन सरकार ने इसकी अनदेखी की है। प्रोफेसर, छात्र और शिक्षकों का वाइस-चांसलर से कोई समन्वय नहीं है, कोई उनका संवाद नहीं होता है। अगर ये लोग वाइस-चांसलर से बात करने जाते हैं तो वह बात करने के लिए भी तैयार नहीं है। उनका रवैया बिल्कुल तानाशाह वाला है। यही कारण है कि वहां का वातावरण बहुत ही प्रदूषित हो गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा, यहां पर संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हुए हैं और यह छात्रों से जुड़ा हुआ सवाल है।

महोदया, छात्र देश के भावी कर्णधार हैं, जिनके कंधों पर देश का भविष्य टिका हुआ है। यह मुद्दा छात्रों स जुड़ा है। संसदीय कार्य राज्य मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं, वे इस बारे में कुछ शब्द कहें, जिससे कि हमें आश्वासन मिल सके, जिससे कि विश्वविद्यालय के जो छात्र, शिक्षक तथा कर्मचारी आंदोलित हैं, उन्हें कुछ राहत मिल सके।

श्री पन्ना लाल पुनिया: अध्यक्ष महोदया, मैं अपने को श्री शैलेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए मुद्दे से सम्बद्ध करता हूं।